





---

kRRiShNajanmastutiH

——  
कृष्णजन्मस्तुतिः

——  
Sanskrit Document Information



---

Text title : kRRiShNajanmastutiH

File name : kRRiShNajanmastutiH.itx

Category : vishhnu, krishna

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Description/comments : BhaktivivekasAra

Latest update : November 18, 2018

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.


**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

November 17, 2018


*sanskritdocuments.org*

---



---

# kRRiShNajanmastutiH

——  
कृष्णजन्मस्तुतिः



रुपं यत्तत्राढुरव्यक्तमाद्यं ब्रह्मज्योतिर्निर्गुणं निर्विकारम् ।  
सत्तामात्रं निर्विशेषं निरीडं स त्वं साक्षाद्विष्णुरध्यात्मदीपः ॥ १ ॥

नष्टे लोके द्विपरार्धावसाने मलाभूतेष्वादिभूतं गतेषु ।  
व्यक्तेऽव्यक्तं कालवेगेन याते भवानेकः शिष्यते शेषसंज्ञः ॥ २ ॥


योऽयं कालस्तस्य तेऽव्यक्तबन्धोश्चेष्टामाढुश्चेष्टते येन विश्वम् ।  
निमेषादिवत्सरान्तो महीयांस्तं त्वीशानं क्षेमधाम प्रपद्ये ॥ ३ ॥

मर्त्यो मृत्युव्यालभीतः पलायन्सर्वाल्लोकान्निर्वृतिं नाध्यगच्छत् ।  
त्वत्पादाब्जं पाय यद्दृश्यथाद्य स्वस्थः शेते मृत्युरस्मादपैति ॥ ४ ॥


एति श्रीमद्भागवते दशमस्कन्धे तृतीयाध्यायान्तर्गता  
द्वैवकीकृता स्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

---

——  
*kRRiShNajanmastutiH*

pdf was typeset on November 17, 2018

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

